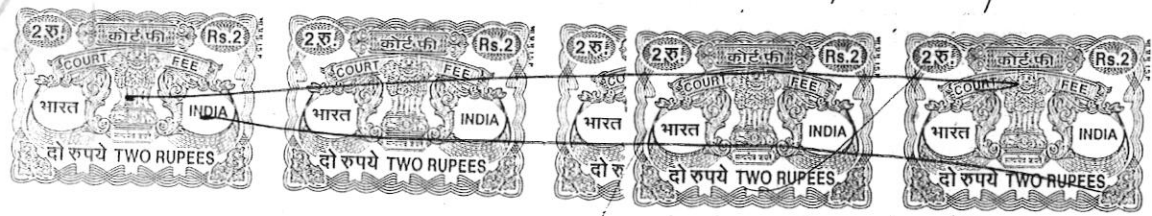


133



न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर सर्किल कोर्ड

रीवा (म०प्र०) II/५६३/अपन/सिगरौली/२०१७/०५९४



1. दुखई पिता रीचन कोल
2. अमोल पिता गौहर तेली
दोनों निवासी ग्राम-हिवा, तहसील-देवसर, जिला-सिगरौली
(म०प्र०)
3. म०प्र० शासन

170'230

..... निगरानीकर्तागण

बनाम

प्रेमवती पत्नी हिंचपतीराम ब्रा० निवासी ग्राम-हिवा,
तहसील-देवसर, जिला-सिगरौली (म०प्र०)

.....गैरनिगरानीकर्ता

निगरानी विरुद्ध आदेश श्रीमान्
तहसीलदार त्योंथर प्रकरण क्रमांक-46/
अ6अ/12-13 आदेश दिनांक 30-
05-2015 एवं उपखण्ड अधिकारी
देवसर, जिला-सिगरौली का प्रकरण
क्रमांक-140/अपील/1/14-15
आवेदन-पत्र बावत् प्रकरण पुनःस्थापित
किये जाने

Reedh
23/1/18

महोदय,

आवेदन-पत्र के आधार निम्नलिखित हैं:-

1. यह कि उक्त उन्मानित प्रकरण अनावेदक की तलबी हेतु माननीय न्यायालय में लंबित है।
2. यह कि दिनांक 17-01-2017 को माननीय न्यायालय में प्रकरण नीयत था एवं उसी दिनांक नियुक्त अधिवक्ता अन्य जगहों के न्यायालय में न्यायालयीन कार्य में व्यस्त होने के कारण माननीय न्यायालय में विलम्ब से उपस्थित हुये जिससे उक्त प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जा चुका था चूँकि

III पुणे स्थापन / निगरीली / अ.श. / 2018 / 0598 27
 ड्रवई कोल - प्रेमवती

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के
) 5-3-18.	<p>1- आवेदक गण की ओटवे ती पुणे ड्रवई कोल मिदगा छ 3प.)</p> <p>2- आवेदक अभिभावक द्वारा दल प्रकार 3प.) R. 5070-दो 116 अक्ष परेवी ओटवे दिनांक 17-1-17 को पुनः नम्बर में लिये जाते हया आवेदक प्रकार-1 ड्रवई कोल तथा अनावेदक 3.2 अमोल लेली की मरुप होने से वार्षिक को फाकाट वगैरे जाने का आवेदन पेश किया गया / अभिभावक के तर्क सुना गया तथा प्रकार का अवलोकन किया। आवश्यक में प्रकार क्रम R-5070-दो 116 पुनः नम्बर में लीपना है / तदनुसार दल प्रकार चालू किया जाते।</p> <p>3- अनावेदक प्रकार-1 व 2 की मरुप होने के कारण वार्षिक को फाकाट वगैरे जाने की अनुमति प्रप्त की जाती है। उद्दत्त लक्ष ट्याही ले लुव्याट किया जाते।</p> <p>4- उक्त कार्यवाही पूर्ण पश्चात प्रकार पकी ले समाप्त किया जाते। पत्र-चाल प्रकार पंजी से समाप्त होकर दल दल हो।</p>	<p>2 पक्षकारों दिनांक 18/3/18</p> <p><i>[Signature]</i></p>

[Handwritten mark]

[Signature]